Date
17/04/2020

Subject - Gender, School and Society

B.Ed. 2nd year
Period - 4th

3→ विद्यालय का प्रभाव :- घर से बाहर जाकर बालक सहिष्णुता, मित्रता का भाव रखने वाला व सहयोगी बन जाता है। वह विद्यालय मे अपने शिक्षको से प्रसन्नता पाने के लिए अच्छे अंक प्राप्त करता है। कक्षा मे सामान्यत: दो बालक आपस मे अपनी गुप्त समस्याओ एवं भावनाओं को प्रकट करते है। इस अवस्था मे बालक सामूहिक स्वीकृति पर अधिक बल देता है। अत: विद्यालय का वातावरण भी बालक को बहुत अधिक प्रभावित करता है।

4. समाज का प्रभाव :- प्रारम्भिक अर्थात शैशवावस्था मे शिशु मे सामाजिक भावना नही पायी जाती है परन्तु इस अवस्था के अन्तिम वर्षो मे सामाजिक भावना का विकास होता है। जब शिशु 4 या 5 वर्ष का होता है विद्यालय जाने लगता है, एक नई सामाजिक दुनिया मे प्रवेश करता है फलस्वरूप उसके व्यवहार मे परिवर्तन होने लगते है। बालक वांछनीय या अवांछनीय व्यवहार मे निरन्तर प्रगति करता रहता है। इस अवस्था मे बालक आत्मकेन्द्रित या स्वार्थी नही रहता वह समाज मे अपने आप को समायोजित करने लगता है।

5. आनुवांशिकता का प्रभाव :- व्यक्तित्व के विकास पर आनुवंशिकता का भी प्रभाव पडता है। व्यक्ति की मूल प्रवृत्तियो का आधार आनुवांशिकता ही होती है। आनुवांशिकता से सम्बन्धित तथ्य भी स्वयं मे अपनी विशेषता प्रकट करता है कि "सभी मनुष्यो मे कुछ ऐसे गुण होते है जो किसी दूसरे मनुष्य मे नही पाए जाते है।"

17-04-2020 14:32

17-04-2020 14:33

6. आदर्श प्रतिमान से प्रभावित → यदि किसी बालक में बाल्यावस्था या किशोरावस्था के बीच में ही देशभक्ति की भावना जाग उठे तो वह किसी ऐसे आदर्श व्यक्ति का अनुकरण करता है जो देशभक्ति के गुणों से ओत-प्रोत है अतः बालक के विकास पर आदर्श प्रतिमान का भी बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। उदाहरणतः — आदर्श प्रतिमान कोई नेता, अभिनेता, देशभक्त, स्त्री या पुरुष दोनों में से हो सकता है।

लैंगिकता का विकास

व्यक्तित्व विकास में बालक के लैंगिक विकास को फ्रायड ने विभक्त किया है। मुख्य रूप से इन्होंने इनकी संख्या तीन बतायी है। शैशव अवस्था को बहुत अधिक महत्व दिया है। (1) शैशव अवस्था (लक्षण → शैशव अवस्था में *लिबिडो शिशु के मुँह में है। इस कारण वह अधिकतर अंगूठा चूसता रहता है।

(2) अव्यक्त अवस्था → इस अवस्था में बालक के (6-12) वर्ष तक) मन की कामवृत्ति दब जाती है। सामाजिकता का विकास होने लगता है।

(3) किशोरावस्था → कामवृत्ति पुनः प्रकट होने लगती (12 से 18 या 20 वर्ष तक) है। किशोर-किशोरी कामुक विचारों वाले कार्यों में रुचि लेने लगते हैं।

अन्य विभाजन → फ्रायड महोदय ने बालक के लैंगिक विकास को पाँच अवस्थाओं में बाँटा है।

(1) मौखिक अवस्था (Oral stage) (2) गुदा अवस्था (Anal stage)
(3) लिंग प्रधान अवस्था (Phallic stage) (4) सुप्तावस्था (Latency stage)
(5) जननेन्द्रिय अवस्था (Genital stage)

* Libido ⇒ कामेच्छा, या यौन इच्छा या इच्छा के लिए व्यवहार में आने प्रयुक्त किया जाने वाला शब्द, इसके अन्तर्गत वे सभी आते हैं जिनका सम्बन्ध प्रेम, स्नेह, लगाव आदि से होता है। (3)

(1) मौखिक अवस्था ⇒ फ्रायड ने जन्म से लेकर 2 वर्ष तक की अवस्था को माना है. इस अवस्था मे बालक दुग्धपान करते हुए आनन्द प्राप्त करता है। दूसरे पक्ष मे बालक का लिबिडो स्वकेन्द्रित होता है इसमे बालक चूसकर, निगलकर काटकर मुख सम्बन्धी अन्य क्रियाओ से सुख की प्राप्ति करता रहता है।

(2) गुदा अवस्था ⇒ इस अवस्था का काल 2 से 4 वर्ष तक माना है। इस अवस्था मे बालक मे आत्मचेतना का विकास होने लगता है व उसका लिबिडो स्वयं मे अत्याधिक केन्द्रित हो जाता है। इस अवस्था मे भी सुख सिद्धान्त की प्रधानता रहती है।

(3) लिंग प्रधान अवस्था ⇒ लैंगिक विकास की तीसरी अवस्था लिंग प्रधान है। इसकी अवधि 4 से 6 वर्ष की आयु तक रहती है। इस अवस्था मे लिबिडो का केन्द्र जननेन्द्रियो पर होता है इस अवस्था मे बालक यथार्थ के प्रति आकर्षित होकर पुत्र का लिबिडो माता पर व पुत्री का लिबिडो पिता पर केन्द्रित होता है।

(4) सुप्तावस्था ⇒ इस अवस्था की अनुभूति प्रायः 6 से 12 वर्ष के बालक तथा बालिकाओं मे होती है। इस अवस्था मे उस पर अपने साथियों का अधिक प्रभाव पड़ने लगता है। इस अवस्था के अन्त मे बालक एवं बालिकाएँ स्वतन्त्र रहने का प्रयास करते है। वे नही चाहते कि उनकी स्वतन्त्रता मे माता-पिता बाधक हों।

(5) जननेन्द्रीय अवस्था ⇒ 12 वर्ष से लेकर प्रौढ़ावस्था में व्यक्ति मे लैंगिक अभिरुचि विकसित होने लगती है। 13 वर्ष के किशोर बालक एवं बालिकाओं में यौवन की चेतना जाग्रत होने लगती है। 12 से 15 वर्ष तक समलिंगरति प्रवृत्ति एवं धीरे-धीरे इसके स्थान पर विषमलिंगरति की प्रवृत्ति प्रकट होती है।

फ्रायड द्वारा वर्णित इन अवस्थाओ से स्पष्ट है कि फ्रायड के व्यक्तित्व सिद्धान्त मे विकास की मनोलैंगिक अवस्थाएँ प्रमुख स्थान रखती है।

Continue ----

Nidhi Tyagi
17/04/20

17-04-2020 14:34